2023

HINDI — GENERAL

Paper : GE/CC-2

(Madhyakaleen Hindi Kavita)

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

(मध्यकालीन हिन्दी कविता)

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) सूरदास की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) 'कबीर' भक्तिकाल की किस धारा के प्रतिनिधि कवि हैं एवं उनके रचना संकलन का नाम क्या है?

(ग) 'विनय पत्रिका' किसकी रचना है एवं यह किस भाषा में लिखी गई है?

(घ) अपने पाठ्यक्रम में संकलित किन्हीं दो कृष्णभक्त कवियों के नाम लिखिए।

(ङ) 'घायल की गति घायल जाने' किसकी पंक्ति है? उनके आराध्य देव कौन हैं?

(च) 'बिहारी' रीतिकाल की किस धारा के कवि हैं एवं उनकी भाषा क्या है?

(छ) 'कान्ह भये बस बाँसुरी के' – किस कवि की पंक्ति है एवं इनका संबंध किस धारा से है?

(ज) सूरदास के गुरु का क्या नाम था एवं सूरदास के काव्य की भाषा क्या थी?

(झ) 'वाणी का डिक्टेटर' किसे कहा जाता है? वह किस धारा के कवि हैं?

(ञ) तुलसीदास की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

2. किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3

(क) "बिहारी के दोहे नावक के तीर हैं, जो श्रोता या पाठक पर गहरा प्रभाव छोड़ते हैं।" – उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) "सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट कहे जाते हैं।" – उक्त कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(घ) कबीर की भक्ति भावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ङ) मीरा की भक्ति की मार्मिकता पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3. किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3

(क) 'अरे इन दोउन राह न पाई' – इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) मीराबाई की विरह-वेदना को स्पष्ट कीजिए।

(ग) रसखान के कृष्ण-प्रेम पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) प्रस्तुत पंक्तियों की व्याख्या कीजिए :

"जप माला छापा तिलक सरै न एकौ काम।
मन काँचै नाँचै वृथा साँचै राँचै राम।।"

(ङ) प्रस्तुत पंक्तियों की व्याख्या कीजिए :

"मोरपखा मुरली वनमाल लख्यौ हिय में हियरा उमह्यौ री।
ता दिन ते इन बैरिन को कौन न बोल कुबोल सह्यौ री।।"